दिनांक 6 ग्रगस्त, 1980

कमांक 948-ज (II)-80/26789.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ऋधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ऋपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गवा है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(।) के अनुमार सींगे गए श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती लाड़ो देवी, विधवा श्री हीरा सिंह, गांव मान्डोठी, तहसींल वहादुरगढ़, जिला रोहतक को रवी, 1975 से 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर मनद में दी गयी शर्तों के अनुसार महर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 805-ज (II)-80/26795.—पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैमा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है, की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सींपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री प्रभू दयाल, पुत्र श्री सीता राम, गांव मुन्डाहेड़ा, तहसील अध्यर, जितः रोह्त को रवी. 1969 में 100 रुपये वार्षिक खरीफ, 1970 से 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की मत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गयी शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कर्ना क् 923-ज (I)-80/26914 —-श्री ल बा राम, पुत्र श्रो कुरड़ा राम, गांत्र सुत्रापुर, तहसीन व जिला नारनौल की दिनांक 7 दिसम्बर, 1968 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार श्रिधनियम, 1948 जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अन्ताया गया है और श्राज तक संशोधन किया गया है, की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के श्रिधीन प्रदान की गई मिन्तियों का प्रयोग करते हुए श्रो ल बा राम को मुक्लिंग 150 हपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रिधसूचना कमांक 5554—ज. श्रार. III-66/10234, दिनांक 2 जून, 1966 तथा 5041—श्रार—III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 हारा मंजूर की गई थी श्रव उनकी विश्वा श्रीनती नानगी देवी के नाम खरीक, 1979 से 150 हपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 हपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के सन्तर्गत प्रदान करते हैं।

•

क्रमांक 688-ज-I-80/26918 — श्री गंगादीन, पुत्र श्री किशन जीवन, गांव करावरा मानकपुर, तहसील रिवाड़ी, जिला नारनौल की दिनांक 5 जनवरी, 1979 को हुई मृत्यु के परिगाम स्वरूग हरियाणा के राज्यमल, पूर्वी रंगाव युद्ध पुरस्कार श्रविनियन, 1948 जै सा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रीर आज तक संशोधन किया गया है, की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री गंगादीन को मुक्तिग 150 हवये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रवि सूचना क्रमांक 2508-र-III-69/18030, दिनांक 21 जुलाई, 1969 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी वियवा श्रीनती खिलिया के नाम खरीफ, 1979 से 150 हपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 हपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 7 ग्रगस्त, 1980

क्रमांक 1071-ज (II)-80/26993.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित व्यक्तियों को वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उनके नाम के सामने दी गयी फसल तथा राशि एवं सनद में दी गयी भर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं:—

क्रमांक	चित्रा .	जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	फसल/वर्ष जब से जागीर दी गई	वार्षिक राशि
1	2	' 3	4	5	6	7
				•	•	रुपये
1	रोहतक	श्री दीप चन्द, पुत्र श्री जगलाल	डीवल	झन्जर	रबी, 1976 से	150
					खरीफ, 1979 रत्री, 1980	300
					(31, 1980	300
2	रोहतक	श्री पूर्ण सिंह, पुत्र श्री राम बस्स	भुरथला	झज्जर	रबी, 1974 से	150
					खरीफ, 1979 रवी, 1980	300